

कार्यालय प्रभागीय वनाधिकारी, कौशाम्बी वन प्रभाग, कौशाम्बी

पत्रांक 1240 / 5-8 मंझनपुर, दिनांक 21 दिसम्बर, 2023

सेवा में,

वन संरक्षक/क्षेत्रीय निदेशक,
साठवाठ प्रयागराज वृत्त,
प्रयागराज।

विषय— राष्ट्रीय मार्ग खण्ड, उ०प्र० लोक निर्माण विभाग द्वारा किमी० संख्या— 49.155 से किमी० संख्या—14.70 तक (सिंगरौर उपरहार से बरनपुर कादीपुर इचौली) पर हाईब्रिड वार्षिक मोड़ पर कास कर रहे एन०एच०-731ए जिला कौशाम्बी (उत्तर प्रदेश) में प्रस्तावित 4लेन ग्रीन फील्ड हाईवे के निर्माण में प्रभावित संरक्षित वन भूमि पर गैर वानिकी कार्य हेतु अनुमति के सम्बन्ध में। (प्रस्ताव संख्या एफ०पी०/यू०पी०/ रोड/153349/2022)

संदर्भ— वन संरक्षक/नोडल अधिकारी, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन, विभाग उत्तर प्रदेश, लखनऊ का पत्रांक 1523/11-सी एफ०पी०/यू०पी०/ रोड/153349/2022) दिनांक 19.12.2023।

महोदय,

उपरोक्त विषयांकित प्रकरण में आपके द्वारा उठाई गई अपत्ति में प्रयागराज में प्रस्तावित क्षतिपूरक वनीकरण भूमि में overlap प्रदर्शित हो रहा है जिसके सम्बन्ध में प्रभागीय निदेशक, प्रयागराज ने अपने पत्रांक 2076/15-1 दिनांक 21/12/2023 के द्वारा CA हेतु उक्त वन भूमि उपलब्ध कराने से पूर्व रेल विकास निगम लि० को CA हेतु देने के लिए सुरक्षित की गयी थी, किन्तु कालान्तर में उ०प्र० शासन पर्यावरण, जल एवं जलवायु परिवर्तन अनुभाग-2 संख्या 1482/81-2-2023-800 (79)/2019, दिनांक 19-05-2023 के कार्यालय ज्ञाप में दिये गये निर्देशों के अनुसार रेलवे की भूमि पर वन (संरक्षण) अधिनियम 1980 की धारा-2 के प्रविधान लागू ना होने के कारण तथा रेल विकास निगम लि० का पत्र दिनांक 03/08/2023 जिसमें उनके द्वारा परिवेश पोर्टल पर अपलोड किये गये प्रस्ताव को निरस्त किये जाने का अनुरोध किया गया है, को ध्यान में रख कर उक्त भूमि क्षतिपूरक हेतु कौशाम्बी वन प्रभाग को उपलब्ध करायी गई है तथा उपरोक्त तथ्यों का संज्ञान लेते हुए अग्रिम कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्न-उपरोक्तानुसार

भवदीय,


(आर०एस० यादव)

प्रभागीय वनाधिकारी,
कौशाम्बी वन प्रभाग, कौशाम्बी

3

संख्या _____/समदिनांक।

प्रतिलिपि— नोडल अधिकारी, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन, विभाग उत्तर प्रदेश, लखनऊ को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(आर०एस० यादव)
प्रभागीय वनाधिकारी,
कौशाम्बी वन प्रभाग, कौशाम्बी

कार्यालय प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग, प्रयागराज।

पत्रांक-2076 / 15-1 दिनांक, प्रयागराज, दिसम्बर, 21, 2023।

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी
सामाजिक वानिकी प्रभाग,
कौशाम्बी।

विषय:- जनपद-कौशाम्बी अन्तर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग सं०-731A के कि०मी० 49.155 से कि०मी० 74.700 (सिंगरौर उपरहार से बरनपुर कादीपुर इचौली) रोड चौड़ीकरण में प्रभावित 15.461 हे० संरक्षित वन भूमि (PF land) के बदले दुगने अवनत वन भूमि 30.92 हे० पर क्षतिपूरक वनीकरण हेतु भूमि उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में।

सन्दर्भ:- आपका पत्रांक-559/5-8 दिनांक-18.09.2023 एवं इस कार्यालय का पत्रांक-1310/15-1, दिनांक-19.10.2023

महोदय,

उपर्युक्त विषयगत सन्दर्भित पत्र का अवलोकन करने का कष्ट करें। अवगत कराना है कि आपके सन्दर्भित पत्र के क्रम में जनपद-कौशाम्बी अन्तर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग सं०-731A के कि०मी० 49.155 से कि०मी० 74.700 तक मार्ग चौड़ीकरण में प्रभावित संरक्षित वन भूमि (PF land) के बदले दुगने अवनत वन भूमि 30.92 हे० पर क्षतिपूरक वनीकरण (CA) हेतु प्रयागराज वन प्रभाग के मेजा रेंज के कोहड़ार वन ब्लाक सकल क्षेत्र 12.2 हे० के 10 हे० व कोरांव रेंज बेलहट वन ब्लाक सकल क्षेत्र 28.00 हे० के सापेक्ष 20.92 हे० भूमि का चयन कर उसका GPS Coordinates आपको प्रेषित किया गया है।

ज्ञातव्य हो कि CA हेतु उक्त वन भूमि आपको उपलब्ध कराने से पूर्व रेल विकास निगम लि० को CA हेतु देने के लिए सुरक्षित की गयी थी, किन्तु कालान्तर में उत्तर प्रदेश शासन पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन अनुभाग-2 संख्या- 1482/81-2-2023-800 (79)/2019, दिनांक-19.05.2023 के कार्यालय ज्ञाप में दिये गये निर्देशों के अनुसार रेलवे की भूमि पर वन (संरक्षण) अधिनियम 1980 की धारा-2 के प्राविधान लागू न होने के कारण तथा रेल विकास निगम लि० का पत्र दिनांक-03.08.2023 जिसमें उनके द्वारा परिवेश पोर्टल पर अपलोड किये गये प्रस्ताव को निरस्त किये जाने का अनुरोध किया गया है को ध्यान में रखकर उक्त भूमि CA हेतु आपको उपलब्ध करायी गयी है। अतः उपरोक्त तथ्यों का संज्ञान लेने का कष्ट करें।

भवदीय,

(महावीर कौजलगी)
प्रभागीय निदेशक,

सामाजिक वानिकी प्रभाग, प्रयागराज।

पत्रांक / दिनांकित।

प्रतिलिपि- मुख्य वन संरक्षक/नोडल अधिकारी, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ०प्र०, लखनऊ को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(महावीर कौजलगी)

प्रभागीय निदेशक,
सामाजिक वानिकी प्रभाग, प्रयागराज।